अन्तरधार्मिक परिसम्वाद सम्बन्धी

परमधर्मपीठीय परिषद

विश्वासी: बंधुत्व और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के निर्माता

दीपावली सन्देश 2019

वाटिकन सिटी

प्रिय हिन्दू मित्रो,

27 अक्टूबर को मनाई जानेवाली दीपावली के अवसर पर अंतरधार्मिक परिसंवाद संबंधी परमधर्मपीठीय परिषद् आप सभी को मैत्रीपूर्ण बधाइयाँ एवं हार्दिक शुभकामनाएँ अर्पित करती है। प्रकाश का यह पर्व आपके हृदयों और आपके गृहों को आलोकित करे और आपके परिवारों और समुदायों में आनंद, सुख, शांति और समृद्धि लावे| साथ ही साथ यह पर्व आपके पारस्परिक बंधुत्व की भावना को और अधिक सुदृढ़ करे|

विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति के अनुभव के साथ साथ, हम ऐसे दौर में हैं, जहां एक ओर अंतरधार्मिक और अंतर सांस्कृतिक संवाद, सहयोग और भ्रातुत्व की एकात्मता के प्रयास हो रहे हैं| दूसरी ओर कुछ धार्मिक लोगों के बीच अन्य लोगों के प्रति भावशून्यता, उदासीनता, और घृणा भी है| ऐसा इसलिए होता है कि वे 'पराये' व्यक्ति को अपने भाई या बहन के रूप में पहचानने से चूक जाते हैं| दूसरों के द्वारा गुमराह किये जाने से या अनुदार या असंवेदनशील भावनाओं के कारण इस तरह का रवैया उत्पन्न हो सकता है जिससे समाज में सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व का तानाबाना अस्तव्यस्त और अव्यवस्थित हो जाता है| ऐसी स्थिति के बारे में हमें चिंता है। इसलिए हम हर व्यक्ति को, विशेष रूप से 'ईसाई और हिंदू को, वे जहां कहीं भी हों, बंधुत्व और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के निर्माता होने की आवश्यकता है' विषय पर कुछ विचार आप के साथ साझा करना उचित और उपयुक्त मानते हैं|

धर्म हमें मूल रूप से "दुसरे व्यक्ति को अपने भाई या बहन के रूप में पहचानने, समर्थन करने और प्रेम करने के लिए प्रेरणा देता है" (विश्व शान्ति और सह अस्तित्व के लिए मानव बंधुत्व पर संत पापा फ्रांसिस और अल अज़ार के श्रेष्ठ इमाम शेख अहमद-अल-तय्येब द्वारा अबु धाबी में 4 फरवरी 2019 को हस्ताक्षरित प्रलेख)| साथ ही वह हमें दूसरों की आस्था या संस्कृति के प्रति किसी भी प्रकार के अनुचित पूर्वाग्रह के बिना उनकी अलंघ्य प्रतिष्ठा और अहरणीय अधिकारों का सम्मान करने के लिए सिखाता है|

जब धर्मों के अनुयायी अपने धर्म के नीतिशास्त्र के अनुकूल जीवन जीने की मांग पर खरे उतरते हैं, तभी वे शान्ति के निर्माता और मानवता की साझेदारी के साक्षी के रूप में पहचाने जा सकते हैं| इस कारण, धर्मों को चाहिए कि वे विश्वसनीय जीवन जीने के लिए प्रयास करने वाले धर्मानुयाइयों को पोषित करें जिससे कि वे "शांति और बंधुत्व के फलों को उत्पन्न कर सकें... क्योंकि लोगों के बीच भ्रातृत्व के संबंध को विकसित करना धर्मों के स्वभाव में निहित है" (संत पापा जॉन पॉल द्वितीय, विश्व शान्ति दिवस पर सन्देश, 1992) इसप्रकार, निरंतर संवाद के द्वारा बंधुत्व और

मैत्रीभाव में जीवन बिताना हिन्दू या ईसाई के लिए धार्मिक व्यक्ति होने का स्वाभाविक लक्ष्ण होना चाहिए|

यद्यपि इन दिनों नकारात्मक समाचार को ही प्राथमिकता मिलती है तथापि इससे बंधुत्व के बीजों को बोने के हमारे संकल्प में कमी नहीं आनी चाहिये। इस दृढ़ धारणा के आधार पर कि भलाई का एक बहुत बड़ा अदृष्ट सागर विकसित हो रहा है और बंधुत्व के संसार का सृजन संभव है, हमें चाहिए कि हम अन्य धर्मों के अनुयाइयों और सभी शुभेच्छु व्यक्तियों के साथ मिलकर एकात्मता और शांति की दुनिया के निर्माण के प्रति आशान्वित होकर रहें और "सब के कल्याण को अपने ह्रदय में" रखकर (शांति के लिए वार्षिक अंतरधार्मिक प्रार्थना सभा के प्रारम्भ में संत पापा फ्रांसिस का सन्देश: "शांति के सेतु" बोलोग्ना, 14 अक्टूबर 2018) बंधुत्व और शांतिपूर्ण सह अस्तित्व की इमारत के निर्माण के लिए हर प्रकार के प्रयास करते रहें|

यह सुखद संयोग है कि इस महीने के प्रारम्भ में महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती समारोह था| गाँधी जी "सत्य, प्रेम और अहिंसा के उत्कृष्ट और साहसी गवाह" थे (1 फरवरी 1986 को राजघाट, दिल्ली में अपनी यात्रा के समापन पर संत पापा जॉन पॉल द्वितीय द्वारा की गयी शान्ति के लिए प्रार्थना) और मानवीय भ्रातुत्व और शांतिपूर्ण सहस्तित्व के वीर समर्थक थे| अतः हम सब के लिए उपयुक्त होगा कि हम शांतिपूर्ण सह अस्तित्व को जीने में महात्मा गाँधी से प्रेरणा लें|

अपनी-अपनी धार्मिक धारणाओं में दृढ़ और मानवता के कल्याण के लिए चिंता साझा कर रहे विश्वासी होने के नाते, आप और हम विभिन्न धार्मिक परम्पराओं के लोगों और सभी शुभेच्छु व्यक्तियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर और अपने साझा उत्तरदायित्व को ध्यान में रखकर भ्रातृभाव से सम्पन्न शांतिपूर्ण समाज बनाने के लिए जो कुछ हम कर सकते हैं, करें।

आप सभी को आनन्दपूर्ण दीपोत्सव की हार्दिक मंगलकामनाएँ!

कार्डिनल मिगुएल एंगेल अयुसो गिक्सोट, MCCJ
अध्यक्ष

मौंसिंज्ञोर इन्दुनिल कोडिथुवाक्कु जनकरत्ने कनकनमलगे
सचिव

PONTIFICAL COUNCIL FOR INTERRELIGIOUS DIALOGUE
00120 Vatican City

Tel: +39.06.6988 4321
Fax: +39.06.6988 4494

E-mail: dialogo@interrel.va
http://www.pcinterreligious.org/